उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन आयोग, प्रयागराज

पाठ्यक्रम (SYLLABUS)

हिन्दी–प्रवक्ता (माध्यमिक शिक्षा)

(विषय कोड–04)

हिन्दी साहित्य का इतिहासः हिन्दी साहित्य के इतिहास लेखन की परम्परा, हिन्दी साहित्य के इतिहास का काल–विभाजन। आदिकाल– नामकरण, प्रमुख प्रवृतियाँ। भक्तिकाल– सामान्य विशेषताएँ, भक्तिकाल की धाराएँ– ज्ञानाश्रयी काव्यधारा, प्रेमाश्रयी (सूफी) काव्यधारा, कृष्णभक्ति काव्यधारा, रामभक्ति काव्यधारा– चारों काव्यधाराओं की प्रमुख प्रवृत्तियाँ। रीतिकाल–नामकरण, प्रमुख प्रवृत्तियाँ। आधुनिक काल– भारतेन्दुयुग, द्विवेदीयुग, छायावाद, प्रगतिवाद, प्रयोगवाद, नयी कविता, गीत, नवगीत। विभिन्न कालों के प्रमुख कवि एवं उनकी प्रमुख रचनाएँ। प्रसिद्ध काव्य–पंक्तियों एवं सूक्तियों के लेखकों, कवियों के नाम।

- गद्य–साहित्य का उद्‌भव और विकासः निबन्ध, उपन्यास, कहानी, नाटक, आलोचना। गद्य की अन्य नवीन विधाएँ–जीवनी–साहित्य, आत्मकथा, संस्मरण, रेखाचित्र, रिपोर्ताज, यात्रा–साहित्य, डायरी–साहित्य, व्यंग्य, इण्टरव्यू, बाल–साहित्य। युगप्रवर्तक लेखकों के नाम तथा उनकी प्रमुख रचनाएँ।
- पत्रकारिता : प्रमुख हिन्दी पत्र–पत्रिकाएँ प्रकाशन–स्थान, प्रकाशन वर्ष तथा उनके प्रमुख सम्पादकों के नाम।
- काव्यशास्त्रः भारतीय काव्यशास्त्र–काव्य–लक्षण, भेद। रस, छन्द, अलंकार, काव्यगुण, काव्यदोष, शब्दशक्तियाँ।
- भाषाविज्ञान : हिन्दी की उपभाषाएँ, विभाषाएँ, बोलियाँ, हिन्दी की ध्वनियाँ, हिन्दी शब्द–सम्पदा।
- हिन्दी–व्याकरण : सन्धि, समास, कारक, लिंग, वचन, काल, पर्यायवाची, विलोम शब्द, वर्तनी–सम्बन्धी अशुद्धिशोधन, वाक्य–सम्बन्धी अशुद्धिशोधन, वाक्यांश के लिए एक शब्द, अनेकार्थी शब्द, भिन्नार्थक शब्द, विरामचिह्न, मुहावरा और लोकोक्ति। संज्ञा, सर्वनाम, क्रिया और विशेषण। उपसर्ग, प्रत्यय।
- संस्कृत–साहित्य के प्रमुख रचनाकारों के नाम एवं उनकी प्रमुख कृतियाँः कालिदास, भवभूति, भारवि, माघ, भास, बाण, श्रीहर्ष, दण्डी, मम्मट, भरतमुनि, विश्वनाथ, राजशेखर तथा जयदेव।
- संस्कृत व्याकरण : सन्धि–स्वर सन्धि, व्यंजन सन्धि, विसर्ग सन्धि। समास, उपसर्ग, प्रत्यय। विभक्ति–चिह्न (परसर्ग) प्रयोग एवं पहचान। शब्दरूप– आत्मने, जगत्, सरित, बालक, हरि, अस्मद्, युष्मद्। धातुरूप स्था, पा. गम्, पठ्, हस्, धातु केवल परस्मैपदी रूप में। काल। हिन्दी–वाक्यों के संस्कृत अनुवाद।